मोहम्मद रफी की अप्रचलित गीत रचनायें

नवीन कुमार
संगीत विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला

Abstract

Mohammad Rafi was a great and popular singer in the Indian film music. He sang thousands of compositions in different films. He sang many non-filmy songs also which are in different languages. He sang Gazals, Pubjabi songs, bhajans etc. In this paper some of his non-popular musical composition are given which are really good and composed in different Ragas and talas.

Key words : Muhammad Rafi, Film song, Non filmy songs.

भारतीय संगीत, खास तौर पर फिल्म संगीत में मोहम्मद रफ़ी के महत्व और जनमानस पर उनके गाये गीतों के दीर्घकालिक असर से हर कोई वाकिफ़ है। पार्श्व गायन के सरताज मोहम्मद रफ़ी का महत्व आज केवल इसलिए नहीं हैं कि उन्होंने हजारों की संख्या में हर तरह के गीत गाये और अपने गीतों के जरिये जिन्दगी के विभिन्न पहलुओं को अभिव्यक्ति दी बल्कि इसलिए भी है कि सामाजिक, जातीय एवं धार्मिक संकीर्णताओं के इस दौर में वह इन्सानियत, मानवीय मूल्यों, देशप्रेम, धर्मनिरपेक्षता एवं साम्प्रदायिक सदभाव के एक मजबूत प्रतीक है। उनके गाये गीत नैतिक, सामाजिक एवं भावनात्मक अवमूल्य के आज के दौर में जनमानस को इन्सानी रिश्तों, नैतिकता और इन्सानियत के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मोहम्मद रफ़ी के गुजरने के कई साल बाद भी उनकी सुरीली आवाज़ का जादू लोगों के सिर चढ़ कर बोल रहा है। उनकी आवाज़ के प्रशंसकों और दीवानों की संख्या लाखों में है और ये केवल भारत में ही नही, दुनियां के हर देश में फैले हुए हैं।

विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में मोहम्मद रफ़ी के बारे में छपे लेखों एवं रिपोर्टों तथा अनेक इंटरनेट साइटों में इस बात का अक्सर जिक्र होता है कि मोहम्मद रफ़ी ने 10 हज़ार से अधिक गीत गाये हैं। कुछ स्थानों पर यह संख्या 26 हज़ार तक भी बताई जाती है लेकिन रफ़ी द्वारा कम से कम 4,925 फिल्मी एवं गैर फिल्मी गीत गाने के पक्के प्रमाण मिलते हैं।

हिन्दी फिल्मी गीतों के संकलन का जिन इक्के–दुक्के लोगों ने काम किया है उनके हरमंदिर सिंह 'हमराज' का नाम प्रमुख है। उन्होने हिन्दी फिल्मी गीतों का संकलन कर उन्हें 'गीत कोष' के नाम से पांच खंडों में प्रकाशित किया। इन खंडों में 1931 से लेकर 1980 तक की सभी हिन्दी फिल्मों के गीतों का संकलन है। कुछ लोगों ने गीत कोष के इन पांच खंडों एवं मोहम्मद रफ़ी के गीतों के दो अन्य संकलनों के आधार पर यह गणना की है कि रफ़ी ने 4,525 हिन्दी फिल्मी गीत गाये। रफ़ी के गीतों के जो संकलन उपलब्ध हैं, उनमें एक अजीत प्रधान और प्रीतम मेधावी का है और दूसरा इकबाल गानम् और आसिफ़ बख्शी का है। इन दोनों संकलनों के अनुसार रफ़ी ने हिन्दी फिल्मों के अलावा गैर–हिन्दी फिल्मों में भी करीब 400 गीत गाये। इन्हें मिलाकर रफ़ी द्वारा गाये कुल गानों की संख्या 4,925 बैठती है।

मोहम्मद रफ़ी के उपलब्ध गीतों में कुछ गीत ऐसे हैं जो किन्ही करणों से फिल्मों में नहीं लिये गये, कुछ गैर फिल्मी एलबम्स के है, कुछ मुस्लिम नज़्म–नातें हैं कुछ भजन है और कुछ गज़लें हैं। ये सभी गीत रचनायें आम जनमानस की जानकारी में नहीं है। मोहम्मद रफ़ी के कम प्रचार में रहे इन्ही गीत रचनाओं में से कुछ का विवरण इस प्रकार है :

अप्रदर्शित गीत – मोहम्मद रफ़ी साहब के बहुत से ऐसे गीत हैं जो रिलीज या प्रदर्शित ही नहीं हो पायें। ऐसे ही कुछ गीतों की सूची इस प्रकार है :–

गीत		**फिल्म का नाम**
दुनिया नज़र का धोखा	–	आप के लिए
ये शोले भड़के हैं	–	आतिश
आज रात मुझे नींद नही आयेगी	–	आत्मा और परमात्मा
ग़म ने हंसने ना दिया	–	आत्मा और परमात्मा
वतन के ज़र्रे ज़र्रे	–	अपनी धरती अपना देश
राधे कृष्णा बोल	–	भक्त नरसिंन्हा मेहता
हमे भूल न जाना	–	बिखरे फूल
जिन्दगी में तुने एक बार	–	बिखरे फूल
दूर देश से आया हूं	–	ब्लैक प्रिन्स
निगाहें ना फेरो	–	ब्लैक प्रिन्स
इन काली कलिखों मे	–	ब्लैक प्रिन्स
थैया था था थैया चले जाये	–	चांद
तू महलों में रहने वाली	–	चेतना
धनवानों के राजमहल	–	चेतना
अरे ये शहर है मुम्बई	–	दो दोस्त
मत समझ तू मुझे कंगाल	–	दो दोस्त
मग्न मस्त घर में	–	दो दोस्त
खुदा जन्नत में तुझको	–	एक गुनाह और सही
तेरी दुनिया में जीना	–	एक गुनाह और सही
हम जिनके ख्वाब सजाये	–	फिल्म ही फिल्म
हम खूब जानते हैं	–	फिल्म ही फिल्म
कितनी रंगीन है	–	फिल्म ही फिल्म
सुनो ये दुनिया वालों	–	फिल्म ही फिल्म
ये चेहरा ये जुल्फें	–	फिल्म ही फिल्म
ये नैना ये काजल वाले	–	गीत और आंसू
मौत उसकी जवानी पे	–	गीत और आंसू
जिस रात के ख्वाब आये	–	हुब्बा खातून
ऐ मुसाफिर मेरे महबूब की	–	इन्सान और इन्सान
हो गोरी लाखों जन्म से	–	इन्सान और इन्सान
आपसे दिल ही तो मांगा था	–	जान बची तो लाखों पाये
अब कितना बजे हैं	–	जहां मिले धरा आकाश

जहां मिले धरा आकाश	–	जहां मिले धरा आकाश
तन को साफ़ किया तो क्या किया	–	जापानी गुड़िया
दिल तोड़ने वाले आजा रे	–	जिसने तेरा नाम लिया
खेल–खेल मुहब्बत का	–	कामिनी
महफिल भी है दीवाने भी है	–	खूनी दरिंदा
ईश्क में क्या–क्या मेरे जुनून की	–	खुन्नस
कह दो ये गांव के जाट	–	क्या बात है
महिमा श्री राम की	–	महिमा श्री राम की
जिन्दगी का कारवां	–	मैला आंचल
हटकर तेरे कदमों से	–	पाकीज़ा रंग बिरंगी
आंखें तरी हमें	–	पागल प्रेमी
जय बजरंगबली तोड़ दुश्मन की नली	–	पापी पुजारी
जो जुबां ये दिल नासमझ	–	पत्थरों का 'हर
आंखों मे है क्या	–	फिर बहार आई
निगाहों में हसीन सपने	–	फिर बहार आई
सर–ए–शाम बेखुदी में	–	फिर बहार आई
मिलना ना उनको मेरे लिए	–	पूज्य गांधी जी
ओर वीर सिपाही बापू के	–	पूज्य गांधी जी
वीर सूत जवाहर लाल	–	पूज्य गांधी जी
सुन ली पुकार बापू	–	पूज्य गांधी जी
तोरे बिन राजा मोहे चैन कहां	–	पूज्य गांधी जी
आज एक बज़्म से	–	प्यार बना अफसाना
कहो जो तुम्हें किसी से प्यार है	–	प्यार बना अफसाना
प्यार दीवाना बना क्यों	–	प्यार बना अफसाना
लड़का हा या लड़की	–	प्यासे रिश्ते
मोहब्बत की मुलाकात से	–	प्यार बना अफसाना
यूं तो हुस्न हरजाई है	–	प्यार बना अफसाना
महफिल में तेरी	–	कातिल कौन
बिखर गयो तिनके	–	कातिल कौन
देखिये आंखों में	–	राजकुमार सूरज
धडकन है तू हर दिल की	–	साहिरा
हर दिल में खुशी तन्हा	–	सम्बन्ध
जाने दिल ने क्या देखा	–	सलमा
गज़ब हुआ सजना तूने रोका मुझे	–	सजना
ऐ कलियो मुस्कुराओ	–	शहर से दूर
एक तो ठण्डा पानी ये	–	शहर से दूर
कहता हूं मैं तुझपे मरता रहुंगा	–	शहर से दूर
राम कहां हो	–	शिकवा
तस्वीर लिये जाता हूं	–	सोने की लंका

दो मुल्लों में मुरगी हराम	–	सूरज ढलने लगा
महफिल भी है	–	सूरज ढलने लगा
चलता जीवन चलती ज़मीन	–	सुबह कहीं शाम कहीं
तूने कैसे रचा ये खेल	–	सुबह कहीं शाम कहीं
बन के साथी प्यार की राह में	–	स्वीटहार्ट
सोहनीये तेरे चाहे जो भी हैं नाम	–	स्वीटहार्ट
मासूम नज़र का भोलापन	–	तेरी आरजू
लूटे तेरे दर से ना	–	रावण घर
कदमों में ऐ सनम	–	उम्मीदों पे दुनिया जीती है
ज़माना है अगर एक	–	वतन
ये कंकर पत्थर की दुनिया	–	वापसी
यूं लो न अंगड़ाई	–	ये बस्ती ये लोग
देखो वो चांद सो गया है	–	ज़रीना

गैर फिल्मी गीत – रफ़ी ने सैंकड़ों गैर फिल्मी गीत गाये। इन गीतों में जिन्दगी के रंग देखे जा सकते हैं। यह जानकर आश्चर्य होगा कि रफ़ी ने हज़ारों कर्णप्रिय फिल्मी गीत गाये लेकिन बिलकिस रफ़ी को उनका गाया जो गीत सबसे प्रिय था, वह कोई फिल्मी गीत नहीं बल्कि गैर फिल्मी गीत था। रफ़ी ने एक गीत गाया था– ''मेरे गीतों का सिंगार तुम, जीवन का पहला प्यार तुम''। उन्होंने यह सुरीला गैर फिल्मी गीत जिसके लिए गाया वह कोई और नहीं बिलकिस बेगम थी। रफ़ी साहब ने जो गैर फिल्मी गीत गाया उनमें कुछ प्रमुख गीत हैं–

– शाम के दीपक जले, मन का दीया बुझने लगा
– शाम से नेहा लगाये, राधा नीर बहाये
– पार नदी के दीप जलाए, बैठी खोयी बावरिया
– दो घड़ी बैठो, तुम्हारा रुप आंखों में बसा लूं
– हंस गगन बीच रोये
– मेरे श्याम पल–पल मोरे मुख से निकले तेरो नाम
– पागल चन्दा मेरे मन की
– गज़ब किया, तेरे वादे पे एतबार किया
– मेरी मुहब्बत कबूल कर लो
– पागल नैना सगरी रैना, तेरी बाट निहारे
– क्या याद तुम्हें हम आयेंगे
– तुम गीत हो सोहलवें सावन के
– मैं कब गाता मेरे सुर में प्यार किसी का गाता है
– इस दिल से तेरी याद भुलाई नहीं जाती
– तेरे भरोसे हे नन्दलाला
– पावं पड़ूं तोरे श्याम ब्रज में लौट चलो
– मैं ग्वालों रखवालों माखन नहीं चुरायो
– सुनियो अर्ज हमारी

– शौक हर रंग रकीबे सारो समा निकला
– मिन्नत कशे दवा न हुआ
– जलवा ओ वक्त
– जीते का राज़ मैंने
– काश ख्वाबों में
– खुदा ही जाने यार आये न आये
– मैंने सोचा था अगर
– मैनें जब से तुझे

पंजाबी गीत

रफ़ी साहब ने अपनी मातृभाषा पंजाबी में भी अपने सुरों और आवाज़ का जादू बिखेरा है। उनके द्वारा पंजाबी फिल्मों में गाये गीतों का विवरण इस प्रकार है :

गीत	फिल्म
चिट्टे दंद हंसनों नहीं रहंदे	भांगड़ा
चुन्नी अपनी नू	परदेसी ढोला
यारा नाल बहारां	जिन्दगी यार दी
रब ना करे	भांगड़ा
जग वाला मेला	लच्छी
दाणा पाणी खिच के लेयान्दा	गुड्डी
सानू बुक नाला पानी	लाडली
दमड़ी दा सट	छाई
मैं दमला जट्ट	दमला जट्ट
दिल ले गया कोई	लच्छी
दड़ वट ज़माना कट	जुगनी
मेरया मालिक	लाड़ली
सोणयो मक्खनों	दाज
पगड़ी संभाल जट्टा	सरदार भगत सिंह
रुस के तूं चली	पापी तारे अनेक
मतलब दी ये दुनिया यारो	सज्जन ठग
बनवारी गिरधारी सुन ले	प्रेमी गंगा राम
काली कंदी नाल	लच्छी
छाज	दाज
बुरा तू मान चाहे भला	धरमजीत
अश्व कुड़ी दी	शेरनी
ये प्यार दी कहाणी	नचदी जवानी
मेरे सजरे हाणियां	बांगड़
साडे खेता बिच रब बसदा	नानक दुखिया सब संसार
रब्बा वे तेरियां बेपरवाहियां	कणकां दे ओले

इक इक अश्क तेरी	डेरा आशिकां दा
हाय ने मैं सदके	कणकां दे ओले
प्यार दे भुलेखे	गुड्डी
तेरे अन्दारो मैल ना जाये	मोरनी
आजा सोणिये	सन्तो बन्तो
जेड़ा जागदा ये	टाकरा
असां यार दे नजारे बिच रब	लच्छी
लगी वाले ते कदी नहीं सोन्दे	सस्सी पुन्नू
ना रुस हीरिये	छन्न परदेसी
दस मेरेया दिलवारा वे	सस्सी पुन्नू
गलां गोरियां	पगड़ी सम्भाल जट्टा
ऐनी गल तो गुलाबी	सेहती मुराद
लेके फुलवारी सुहे–सुहे रंग दी	धरमजीत
ऐह मोर कियां पेलन पान्दे ने	माही मुंडा
मेरा तैनू वी सलाम	प्रेमी गंगा राम

गैर फिल्मी गज़लें

रफ़ी साहब ने बहुत खुबसूरत कुछ गैर फिल्मी गज़लें भी अपने करोड़ों चाहने वालों को दी हैं। उनकी गैर फिल्मी ग़जलों में से कुछ एक का ब्योरा इस प्रकार है :–

– फलसफे इश्क में पेश आए
– तल्खी–ए –मय में ज़रा
– कितनी राहत है दिल टूटू जाने के बाद
– हाय मेहमान कहां–ए–ग़म जाना होगा
– दिया–ए–दिल अगर उसको
– दिल की बात कहीं नहीं जाती
– ना शौक–ए–वसल का दावा

नात, नज़्म

रफी साहब ने बहुत सी मुस्लिम नातें, नज़्म भी गाई है। यहां पर कुछ एक का विवरण इस प्रकार है :–

– सरकार –ए–दो ज़हान
– मोमीनो सुन लो बयां
– सबर–ए–अयूब
– मषहूर मुद्दतों से रिवायत है
– इतने में वक्त
– सू–ए–हरम मौला के दीवाने चले

– चले हैं काबा–ए–अद्दूस को हाजी
– लाबैक या हरम
– मुबारक है ये दिन
– ‘ुक्र है तेरा
– फैज़ल–ए–रब हो गया
– चलो मदीने
– दरबार–ए–मदीना देखें
– मेरे आका मेरे सरकार मदीने वाले
– या मोहम्मद ग़म के मारे आये हैं
– सल–अल्लाहों आलाहे बसुलुम

यहां पर विशेष बात यह है कि इसमें ''मोमीनो सुन लो बयां'' को छोड़कर सभी रचनाओं का संगीत मोहम्मद रफ़ी ने स्वयं तैयार किया है। भारत की लगभग सभी मुख्य भाषाओं में मोहम्मद रफ़ी ने गीत गाये है। रफ़ी के गुजरने के कई वर्षों बाद भी उनकी सुरीली आवाज़ का ज़ादू लोगों के सिर चढ़ कर बोल रहा है। तभी तो उनके लाखों–करोड़ों प्रशंसकों में से यदि किसी को उनकी आवाज़ में कुछ नया सुनने को मिल जाये तो वह रोमांचित हो उठता है। उपरोक्त सभी गीत मोहम्मद रफ़ी के अप्रचलित गीतों में से कुछ एक ही है। इसके अलावा भी रफ़ी साहब के बहुत से ऐसे गीत हैं जो जन साधारण की जानकारी से बाहर हैं।

संदर्भ सूची

जैन धीरेन्द्र (2012) मोहम्मद रफ़ी–मुझको मेरे बाद ज़माना ढूंढेगा, प्रकाशक अनुप श्रीवास्तव, मुम्बई।
विप्लव विनोद (2008) मेरी आवाज़ सुनो, साची प्रकाशन, नई दिल्ली।
चलो मदीने, मोहम्मद रफ़ी–नात/नज़्म/कव्वाली, सा रे गा मा (H.M.V) डी.वी.डी.।
www.hamsafarum.com